कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–003

एम. ए. वैदिक अध्ययन (एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.वी.एस.–003 : आरण्यक एवं उपनिषद

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।* *4×15=60*

1. बृहदारण्यक उपनिषद् के संवादों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

2. ऐतरेय आरण्यक की विषयवस्तु का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

3. तैत्तिरीय आरण्यक के प्रतिपाद्य का विवेचनात्मक वर्णन कीजिए।

4. पठित अंश के आधार पर कूष्माण्ड होम की विधि का वर्णन कीजिए।

5. ऐतरेयोपनिषद में क्या वर्णित है ? अपने शब्दों में विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. पठित अंश के आधार पर ईशावास्योपनिषद की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

7. केनोपनिषद् के वर्ण्यविषय का विस्तृत वर्णन कीजिए।

8. तैत्तिरीय उपनिषद् की शिक्षावल्ली में क्या वर्णित है ? विस्तार से उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

1. प्राणविद्या का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. सूर्योपासना पर टिप्पणी लिखिए।

3. नारद–सनत्कुमार संवाद का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

4. याज्ञवल्क्य और मैत्रेयी के संवाद के आधार पर मैत्रेयी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

5. कठोपनिषद की विषवस्तु का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

6. पठित अंश के आधार पर विद्या तथा अविद्या का वर्णन कीजिए।

7. माण्डूक्य उपनिषद के प्रतिपाद्य का सारांश लिखिए।

8. प्रश्नोपनिषद का सारांश लिखिए।

अथवा

छान्दोग्योपनिषद के तृतीय अध्याय की विषयवस्तु का उल्लेख कीजिए।